रक्तदान – महादान

प्रस्तावना ''रक्तदान महादान'' जैसा कि नाम से स्पष्ट होता है कि रक्तदान सभी दानों से महान है। रक्तदान कोई भी व्यक्ति कर सकता है। रक्तदान करने के लिए कोई पाबंदी नहीं होती। रक्तदान से किसी की जान बच सकती है और सब दान तो केवल स्वेच्छा से किए जाते हैं लेकिन रक्तदान के प्रति सभी को जागरूक होकर ही रक्तदान करना चाहिए, क्योंकि यह ईश्वरीय देन है जो समस्त व्यक्तियों के पास है। इसीलिए रक्तदान सब दानों से महान है।

रक्त की संरचना हमारा रक्त कई प्रकार का होता है जिन्हें ग्रुप कहते हैं। जैसे A+, A-, B+ , B-, AB+, AB-, O+, O- इसमें से कोई निश्चित ग्रुप का व्यक्ति निश्चित ग्रुप को दान कर सकता है। इसमें ओ ग्रुप उभयनिष्ठ है यह सभी को दान कर सकता है। रक्त में दो प्रकार की कणिकाएं पायी जाती हैं।

1. लाल रक्त कणिकाएँ
2. श्वेत रक्त कणिकाएँ

ये रक्त कणिकाएँ नष्ट होती हैं व उसी अनुपात में बनती भी जाती हैं। हमारे शरीर में रक्त हृदय के द्वारा पंप होता है। पहले दाहिने आलिंद से बायें निलय में तत्पश्चात बायें आलिंद से दायें निलय में। रक्त गाढ़ा, तरल, लाल, गंधहीन एवं नमकीन होता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में 5 ली. रक्त होता है। यदि हम रक्तदान करते हैं तो उसकी आपूर्ति तीन महीनों में पूरी हो जाती है। अतः रक्तदान सभी व्यक्तियों को करना चाहिए।

रक्तदान-महादान ''रक्तदान महादान है'' क्योंकि यह प्रत्येक व्यक्ति कर सकता है, सभी के पास रक्त होता है। प्रत्येक वह व्यक्ति जिसके शरीर का वनज लगभग 70 किग्रा. होता है उसमें 5 ली. रक्त पाया जाता है, और रक्तदान करने के पश्चात यह तीन महीने के लगभग पुनः अपने पहले के आयतन में आ जाता है। रक्तदान से रक्त ग्राही का जीवन बच सकता है अतः रक्तदान महादान है।

रक्तदान के संबंध में भ्रांतियां एवं निराकरण हमारे समाज में रीतियों के साथ कुरीतियों ने भी जन्म लिया है, उसी प्रकार रक्तदान भी अब हमारी एक रीति है, इसके संबंध में कुछ भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करना चाहिये।

1. रक्त के बारे मे सामान्य जानकारी -

(1) एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में 5-6 ली. रक्त होता है। वह मानव जिसका भार 70 किग्रा है 5 ली. रक्त धारण करता है।

(2) रक्तदान कई तरह से किया जा सकता है।

(अ) सीधे रक्त ग्राही को

(ब) रक्त के स्थानांतरण के द्वारा

(स) एक निश्चित रक्त ग्रुप का व्यक्ति निश्चित रक्त ग्रुप के व्यक्ति को दान कर सकता है।

रक्तदान के संबंध में भ्रांतियां एवं निराकरण

रक्तदान के संबंध में निम्नलिखित भ्रांतियाँ हैं :

1. पहली तो ये है कि रक्तदान करने से हमारा रक्त कम होता है। इसका निराकरण यह है कि रक्त की आपूर्ति हमारे शरीर में तीन महीनों के अंदर पूरी हो जाती है।
2. दूसरी यह है यदि हम रक्तदान करें तो हमारे अवयव उस रक्तग्राही को प्रभावित करेंगे।
3. वह व्यक्ति इस प्रवृत्ति का है तो उसका रक्त भी उस जैसा होगा। ये सभी रक्त के संबंध में कुरीतियाँ हैं जो कि हम अपने परिवेश में प्रायः सुनते रहते हैं।

निराकरण - यह तो ईश्वरीय देन है जो कि सभी में ईश्वर द्वारा प्रदत्त है, हमारी प्रवृत्ति हमारे रक्त को प्रभावित नहीं करती है।

ईश्वरीय देन की मानव समाज व राष्ट्र के उत्थान में उपयोगिता

रक्त ईश्वरीय देन है जो कि समस्त व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त है। अन्य सभी सम्पदाएँ तो मानव निर्मित हैं, ये सम्पदाएँ तो मनुष्य अपने अनुसार जुटाता है लेकिन रक्त सभी के पास है। रक्तदान के लिए सभी व्यक्ति सक्षम होते हैं, अन्य वस्तुओं को दान करने के लिए कोई सक्षम होता है, कोई नहीं। रक्त ईश्वरीय देन है, जो कि समस्त व्यक्तियों में होती है। रक्तदान से रक्तग्राही की जान बचायी जा सकती है। दानों के संबंध में हमारी संस्कृति में कई उदाहरण दृष्टिगोचर होते हैं जैसे एकलव्य द्वारा अपने गुरू को दाहिने हाथ का अंगूठे का दान, दधीचि द्वारा अपनी अस्थियों का दान एवं कर्ण द्वारा कवच-कुंडलों का दान, लेकिन रक्तदान इन सभी दानों से महान है। ऊपर वर्णित दानों से तो मानव की निज इच्छाओं की पूर्ति हुई थी लेकिन रक्तदान से मनुष्य के प्राण बचाये जा सकते हैं। इससे हम मानव समाज व राष्ट्र का उत्थान कर सकते हैं, इसलिये रक्त दान के प्रति सभी को जागरूक होकर रक्तदान करना चाहिए।

उपसंहार समस्त उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि रक्तदान महादान है। रक्तदान के संबंध में हमें कुछ महत्तवपूर्ण बातें ध्यान में रखना चाहिये। जिनमें से कुछ निम्न हैं :

1. निश्चित समूह वाला व्यक्ति निश्चित समूह के व्यक्ति को ही दान कर सकता है।
2. यदि हम शारीरिक रूप से अस्वस्थ्य हैं तो हमें रक्तदान नहीं करना चाहिए।
3. रक्त लेते समय भी हमें रक्तदाता के रक्त का परीक्षण कर ही रक्त लेना चाहिए।
4. रक्तदान करने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

रक्तदान समस्त दानों से महान है जैसा कि विभिन्न उदाहरणों में क्रमानुसार स्पष्ट हो चुका है। इसलिये प्रत्येक वह व्यक्ति जो रक्तदान करने में सक्षम है उसे रक्तदान करना चाहिये।